अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

<u>प्रतिवेदन</u>

विषय:- कारगिल विजय दिवस

दिनांक:- 26 जुलाई, 2023

//प्रतिवेदन//

विषयः– कारगिल विजय दिवस।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में आज दिनांक 26 जुलाई को अपराह्न 3:00 बजे कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य पर ''वसुधा का संवर्धन वीरों का अभिनंदन'' आजादी के स्वतंत्रता सेनानी''' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरुण सावरकर पूर्व सैनिक रायपुर तथा विशिष्ट अतिथि सूबेदार मेजर विजय कौशिक, भारतीय थल सेना और विशिष्ट अतिथि, अजय श्रीवास्तव संचालक आधार शिला विद्या मंदिर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति अचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी ने किया। इस कार्यक्रम के संयोजक कुलसचिव श्री शैलेंद्र दुबे थे।

सर्वप्रथम अतिथियों ने अटल के प्रतिमा पर माल्यार्पण और मां सरस्वती पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत किया। स्वागत भाषण देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। तत्पश्चात कारगिल युद्ध पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रो. हर्ष पांण्डेय ने अपने उद्‌बोधन में कारगिल युद्ध में भारतीय सेना का युद्ध को विस्तार से बताते हुए 18000 फीट पर लड़ने वाले दुनिया को अनोखा युद्ध करार दिया। समाज सेवी वेद प्रकाश अग्रवाल ने देशभक्ति कविता का पाठ किया। डी.पी. विप्र शिक्षा महाविद्यालय के प्रोफेसर उर्वशी मिश्रा और उसकी टीम ने संगीतमय भजन और देशभक्ति गीत का गायन कर वातावरण को देश प्रेम में भर दिया। विशिष्ट अतिथि सूबेदार मेजर विजय कौशिक ने कारगिल और गलवान घाटी में लड़े युद्ध का वर्णन किया। मुख्य अतिथि, अरुण सावरकर ने भारतीय सैनिकों के द्वारा कारगिल युद्ध का आंखों देखा हाल सुनाकर उपस्थित जनों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति अचार्य अरुण दिवाकर नाथ बाजपेयी ने अपने उद्‌बोधन में कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और इच्छा शक्ति को सैन्य इतिहास का ऐतिहासिक युद्ध बताया।

कारगिल विजय दिवस के इस अवसर पर विश्वविद्यालय व शासकीय बी.टी.आई. कॉलेज के पत्रिका के संयुक्त तत्वाधान में फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। इस दिवस को विशेष बनाते हुए 75 पौधे लगाए गए साथ ही इसके पेड़ बनने तक सुरक्षा व देखभाल का संकल्प लेते हुए लोगों को जागरूक करने की बात कही गयी। जिले को हरित बनाने के लिए पत्रिका बरसात के दिनों में पौधे लगाने को लेकर लगातार अभियान चला रहा है ।

News Coverage

बिलासपुर स्वर

भारतीय सेना का अदम्य साहस और दक्षता का ऐतिहासिक युद्धः बाजपेई

कारगिल विजय दिवस पर अटल बिहारी वाजपेई विश्व विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

बिलासपुर। अटल बिहारी वाजपेई विश्व विद्यालय में आज 26 जुलाई को दोपहर तीन बजे कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य पर 'वसुधा का संवर्धन, वीरों का अभिनंदन -आजादी के स्वतंत्रता सेनानी' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरूण सावरकर पूर्व सैनिक रायपुर तथा विशिष्ट अतिथि सुबेदार मेजर विजय कौशिक भारतीय थल सेना और विशिष्ट अतिथि अजय श्रीवास्तव संचालक आधार शिला विद्या मंदिर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेई ने किया। इस कार्यक्रम के संयोजक कुलसचिव शैलेन्द्र दुबे थे। सर्वप्रथम अतिथियों ने अटल के प्रतिमा पर माल्यार्पण और मां सरस्वती पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। स्वागत भाषण देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ मनोज सिन्हा ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। तत्पश्चात कारगिल युद्ध पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। पीआरओ हर्ष पांडेय ने अपने उद्बोधन में कारगिल युद्ध में भारतीय सेना का युद्ध को विस्तार से बताते हुए अठारह हजार फीट पर लड़ने वाले दुनिया को अनोखा युद्ध करार दिया। समाज सेवी वेद प्रकाश अग्रवाल ने देश भक्ति कविता का पाठ किया। डीपी विप्र शिक्षा महाविद्यालय के प्रोफेसर उर्वशी मिश्रा और उसकी टीम ने संगीत मय भजन और देश भक्ति गीत गायन कर वातावरण को देश प्रेम से भर दिया। विशिष्ट अतिथि सुबेदार मेजर विजय कौशिक ने कारगिल और गलवान घाटी में लडे युद्ध का वर्णन किया। मुख्य अतिथि अरूण सावरकर ने भारतीय सैनिकों के द्वारा कारगिल युद्ध का आंखों देखा हाल सुना कर उपस्थित जनों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति आचार्य अरूण दिवाकर नाथ बाजपेई ने अपने उद्बोधन में कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और इच्छा शक्ति को सैन्य इतिहास का ऐतिहासिक युद्ध बताया।

शहीद हुए सैनिकों को दी गई श्रद्धांजलि

कार्यक्रम को बृजेन्द्र शुक्ला और अजय श्रीवास्तव ने भी संबोधित करते हुए कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सम्मिलित सभी भूतपूर्व सैनिकों प्रेम सोनी, रामेश्वर शर्मा, आदि का शाल और श्रीफल तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम का संचालन मुकुल शर्मा ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलसचिव शैलेन्द्र दुबे, उपकुलसचिव नेहा राठिया, सहायक कुलसचिव रामेश्वर राठौर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा एचएस होता, वित्त अधिकारी अलेक्जेंडर कुजूर, डॉ लतिका भाटिया, डॉ रेवा कुलश्रेष्ठ, डॉ पूजा पांडेय, डॉ सीमा बेलोरकर, डॉ शुभेना भट्टाचार्य, डॉ रश्मि गुप्ता, डॉ जितेन्द्र गुप्ता, डॉ यशवंत पटेल, डॉ गौरव साहू, डॉ धर्मेंद्र कश्यप भुवन वर्मा, प्रियंमदा पांडेय, सितेश जैन, संतोष तिवारी, नरेन्द्र पटेल सहित बड़ी संख्या में विश्व विद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी गण उपस्थित थे।

बाधित रहेगा। हाईकोर्ट में भी होने की जानकारी दी। की है।

पत्रिका का हरित प्रदेश अभियान | कारगिल दिवस पर पौधों को पेड़ बनने तक देखभाल का लिया संकल्प

अटल बिहारी यूनिवर्सिटी, बीटीआई कॉलेज में लगाए गए 75 फलदार पौधे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बिलासपुर. कारगिल दिवस के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी व शासकीय बीटीआई कॉलेज में पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। इस दिवस को विशेष बनाते हुए 75 पौधे लगाए गए। साथ ही इसके पेड़ बनने तक सुरक्षा व देखभाल का संकल्प लेते हुए लोगों को जागरूक करने की बात कही गई। जिले को हरित बनाने के लिए पत्रिका बरसात के दिनों में पौधे लगाने को लेकर लगातार अभियान चला रहा है।

पत्रिका अभियान हरित प्रदेश

पत्रिका रीडर्स फेस्ट 1 जुलाई से 15 अगस्त 2023

इसी कड़ी में कारगिर विजय दिवस के अवसर पर पौधे लगाने की योजना बनाई गई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों, प्रोफेसर व छात्र समेत अन्य लोगों ने मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत अरपा भवन के सामने वाटिका में पौधे लगाने से पहले खरपतवार, घासों का निंदाई कर साफ-सफाई की। इसके बाद गड्ढे खोदे गए। खाद और पेड़ों को लाकर सभी ने मिलजुलकर पौधे लगाए और बड़े होने तक पानी डालने व देखभाल करने का संकल्प लिया। अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने सभी विद्यार्थियों, प्रोफेसर समेत अन्य को लगातार पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया और कहा पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो हम भी सुरक्षित रहेंगे।

ये रहे शामिल

कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. तरुण धर दीवान व गोपनीय परीक्षा विभाग के कर्मचारी, बीटीआई कॉलेज के 50 स्वयंसेवकों के साथ प्राचार्य अहर्लिश पाल, कार्यक्रम अधिकारी दिलीपकुमार शर्मा, कार्यक मसहायक शिखा श्रीवास, सहायक प्राध्यापक महेन्द्र व स्टाफ शामिल हुए।

क्यूआर कोड स्कैन कर दें सुझाव...

शिक्षा के साथ पौधे बचाने का लें संकल्प

परीक्षा नियंत्रक डॉ तरुण धर दीवान ने कहा कि भारतीय समाज में आदिकाल से ही पर्यावरण संरक्षण को महत्व दिया गया है। हमारी संस्कृति में पेड़-पौधों को पूजा जाता है। पौधे लगाने के लिए लोगों को जागरूक करते हुए सही वृक्ष और सही स्थान का चयन बहुत महत्वपूर्ण है। हर किसी को पौधे लगाने चाहिए, क्योंकि बरसात का मौसम में पौधे जल्दी बड़े होते हैं। शिक्षा के साथ अगर पौधारोपण बचाने का संकल्प व जल की स्वच्छता को हमने अपना लिया तो आने वाले समय में भविष्य गंभीर समस्या से मुक्ति पा सकते हैं।